मेरी सुन लो पुकार गिरधारी मैं बुला बुलाकर हारी

मेरी सुन लो पुकार गिरधारी
==========
मेरी, सुन लो, पुकार, गिरधारी*,
मैं, बुला, बुला के, हारी ॥

जब, प्रह्लाद* ने, तुम्हें पुकारा ॥
तब, खंबे से, निकले, मुरारी
मैं, बुला, बुला के, हारी ।
मेरी, सुन लो, पुकार,,,,,,,,,,,,,,,

जब, अर्जुन* ने, तुम्हें पुकारा ॥
गीता ही, रच दी, सारी,
मैं, बुला, बुला के, हारी ।
मेरी, सुन लो, पुकार,,,,,,,,,,,,,,,

जब, द्रोपदी* ने, तुम्हें पुकारा ॥
तो, बढ़ा दी, सभा में साड़ी,
मैं, बुला, बुला के, हारी ।
मेरी, सुन लो, पुकार,,,,,,,,,,,,,,,

जब, मीरा* ने, तुम्हें पुकारा ॥
दिखी, विष में, छवि तुम्हारी,
मैं, बुला, बुला के, हारी ।
मेरी, सुन लो, पुकार,,,,,,,,,,,,,,,

जब, नरसी* ने, तुम्हें पुकारा ॥
तुमने, भर दिए, भात गिरधारी,
मैं, बुला, बुला के, हारी ।
मेरी, सुन लो, पुकार,,,,,,,,,,,,,,,
अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33731/title/meri-sun-lo-pukar-girdhari-mein-bula-bulakar-haari

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |